दैनिक ट्रिब्यून, नयी दिल्ली, मंगलवार, 17 जून, 2008

भारत-कनाडा की विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में संयुक्त पहल

टोरंटो, 16 जून (भाषा)। भारत और कनाडा ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी खंड को लेकर वर्ष 2005 में हुए समझौते के तहत 1.7 करोड़ अमेरिकी डालर वाली दस संयुक्त पहल शुरू की। भारत के केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कपिल सिब्बल एवं कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं विदेशी मामलों के मंत्री डेविड एमर्सन ने संयुक्त बयान में कल उक्त घोषणा की।

बयान में बताया गया 'नई अर्थव्यवस्था में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका से हमारी सरकारें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधानकर्ताओं को स्थापित करने की जरूरत को महसूस कर रही हैं। संयुक्त परियोजना दोनों देशों के वैज्ञानिकों के बीच गठजोड़ को बढ़ावा देगी।

सिब्बल ने कहा कि कृषि, पर्यावरण, खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य, आईटी, ऊर्जा, एयरोनाटिक्स एवं जलसंभरण प्रबंधन के क्षेत्र में आठ संयुक्त पहल को शुरू किया जाएगा जबकि दो संयुक्त पहल साझेदार विकास गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि टोरंटो विश्वविद्यालय और टाटा इंस्टीट्यूट आफ फंडामेंटल रिसर्च आपसी हित की परियोजनाओं को पूरा करेगी।

सिब्बल ने कहा कि कनाडा भारत फाउंडेशन (सीआईएफ) साझेदार विकास गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जनता को किफायती तौर पर प्रौद्योगिकी मुहैया कराने पर जोर दिया जाएगा।